न्यूज डायरी

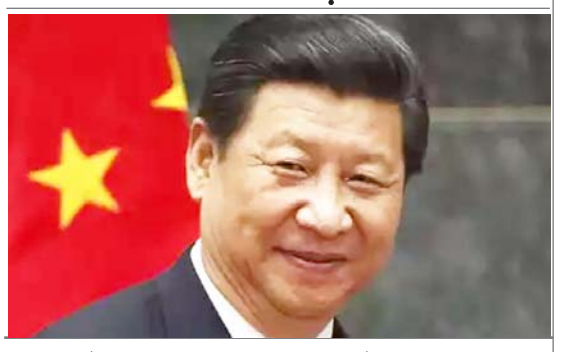

चीन ने अब तजिकिस्तान के पामीर पहाड़ पर ठोका दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लद्दाख और दक्षिण चीन सागर में पड़ोसियों के जमीन पर कब्जा करने की तैयारी में लगा चीन अब मध्य एशिया में भी अपनी विस्तारवादी सोच को बढ़ाने में लग गया है। चीन की आधिकारिक मीडिया ने अब तजिकिस्तान के पामीर पहाड़ों पर दावा करना शुरू कर दिया है जिससे इस बेहद गरीब मध्य एशियाई देश की चिंता बढ़ गई है। चीन और तजिकिस्तान ने वर्ष 2010 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। इसके तहत उसे पामीर इलाके का 1158 किलोमीटर इलाका उसे मजबूरन देना पड़ा था। चीनी इतिहासकार चो याओ लू ने चीनी स्रोतों के हवाले से दावा किया है कि पूरा पामीर क्षेत्र चीन का है और चीन को इसे वापस लेना चाहिए। चीन के सरकारी मीडिया में छपे इस लेख से तजिकिस्तान के अधिकारियों की टेंशन बढ़ गई है। इस दावे के बाद रूस का भी ध्यान इस ओर बढ़ गया है जो इस मध्य एशियाई देशों को अपना रणनीतिक इलाका मानता है।

सऊदी प्रिंस ने कनाडा में भेजे थे हिटमैन, इंटेलिजेंस ऑफिसर को मारने की थी तैयारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान एक बार फिर से विवादों में घिर गए हैं। सऊदी अरब के एक पूर्व शीर्ष खुफिया अधिकारी डॉक्टर साद अलजबरी ने आरोप लगाया है कि सलमान ने उन्हें मारने के लिए कनाडा में हत्यारों का एक दल भेजा था। डॉक्टर साद ने कहा कि हत्यारों का यह दल पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के कुछ दिन बाद ही कनाडा पहुंचा था। हालांकि उनकी योजना विफल रही और डॉक्टर साद बच गए। खशोगी की तुर्की में हत्या भी प्रिंस सलमान की ओर से भेजे गए हत्यारों के इसी दल ने की थी। अमेरिकी कोर्ट में दाखिल किए गए दस्तावेजों में यह गंभीर आरोप मोहम्मद बिन सलमान पर लगाया गया है। डॉक्टर जबरी करीब 3 साल पहले निर्वासन में सऊदी अरब से बाहर कनाडा चले गए थे। इसके बाद वह निजी सुरक्षा में टोरंटो में रहते हैं।

तालिबान के 400 कैदी रिहा करने का फैसला लेगा पारम्परिक परिषर्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी में एक पारम्परिक परिषद 400 तालिबान को छोड़ने पर फैसला करने के लिए शुक्रवार को खुलेगा।अफगान राजनीतिक नेतृत्व और तालिबान के बीच शांति समझौते को लेकर बातचीत शुरू करने की राह में यह आखिरी बाधा है।अफगानिस्तान में चिर शान्ति के लिए बातचीत एक अहम कदम है। वार्ता से ही इस बात का फैसला होगा कि एक शांतिपूर्ण अफगानिस्तान कैसा दिखेगा, कौन से संवैधानिक परिवर्तन किए जाएंगे, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा कैसे की जाएगी और दोनों पक्षों के हथियारों से लैस हजारों लोगों का भविष्य तय होगा।अमेरिका ने बुधवार को एक बयान में कहा था कि वह पारम्परिक परिषद या जिरगा का स्वागत करता है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ यह स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर तालिबान के साथ शांति वार्ता की दिशा में आगे बढ़ना है तो 400 कैदियों को रिहा करना ही होगा।

दक्षिणी प्यूर्टो रिको में 4.8 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सान जुआन। दक्षिणी प्यूर्टो रिको में बृहस्पतिवार देर रात 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप हल्की गहराई और उसी क्षेत्र में आया जहां पिछले साल दिसंबर से भूकंप आने का सिलसिला जारी है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के मुताबिक यह भूकंप 12 किलोमीटर की गहराई में दक्षिणी नगर गुयानिला में आया। शुरुआत में भूकंप के झटके 5.1 तीव्रता के बताए गए थे। नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है हालांकि प्यूर्टो रिको के निवासियों को झटके के कारण अपने बिस्तर हिलते हुए महसूस हुए। द्वीप के भूकंप नेटवर्क के निदेशक विक्टर ह्यूरफेनो ने कहा, "यह हर जगह महसूस हुआ।" उन्होंने कहा कि यह जनवरी के शुरु में आए 6.4 तीव्रता के भूकंप के बाद से महसूस किए गए कई झटकों में से एक है। जनवरी के भूकंप में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

चीन समर्थक महिंदा राजपक्षे को भारी बहुमत

जीत

श्रीलंका में राजपक्षे की वापसी से भारत की बढ़ेगी टेंशन?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
कोलंबो। रणनीतिक रूप से बेहद महत्व्वपूर्ण भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका में प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे की पार्टी श्रीलंका पीपल्स पार्टी ने आम चुनाव में शुक्रवार को शानदार जीत दर्ज की है। चुनाव आयोग की ओर से जारी परिणामों के अनुसार 225 सदस्यीय संसद में एसएलपीपी ने अकेले 145 सीटें जीती और सहयोगी दलों के साथ उसने कुल 150 सीटों पर कब्ज्जा कर लिया है। इस तरह पार्टी को दो–तिहाई बहुमत मिल गया है। पार्टी को 68 लाख यानी 59.9 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। इस जोरदार जीत को महिंदा राजपक्षे की देश की राजनीति में वापसी के तौर पर भी देखा जा रहा है।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ऐसे विदेशी नेता थे जिन्होंने अपने श्रीलंकाई समकक्ष महिंदा राजपक्षे को उनकी शानदार जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने तथा विशेष संबंधों कोई नई ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए काम करेंगे। राजपक्षे ने इसकी जानकारी देते हुए ट्वीट किया, 'फोन पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आपका शुक्रिया। श्रीलंका के लोगों के समर्थन के साथ, दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्साहित हूं। श्रीलंका और भारत अच्छे मित्र और सहयोगी हैं।'

भारत और चीन दोनों को साधना चाहेंगे महिंदा राजपक्षेः अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा ने कहा कि श्रीलंका भारत और चीन का अपने हित के लिए फायदा उठाता रहा है। उन्होंने कहा, श्रीलंका अपने कुछ प्रॉजेक्ट को चीन को देता है और कुछ भारत को देता है। महिंदा राजपक्षे चाहेंगे कि भारत के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखे जाएं ताकि चीन का ज्यादा असर न पड़े। राजपक्षे की नीति यह है कि चीन के साथ अच्छे संबंध रखते हुए भी भारत के साथ रिश्ते न बिगाड़ो। भारत बड़ा पड़ोसी देश है और आने वाले समय में भारत से दुश्मनी उसको महंगी पड़ सकती है। यही नहीं श्रीलंका के सिंहला और तमिल समुदाय के लोग नहीं चाहते हैं कि भारत के साथ उनके रिश्ते खराब हों। भारत राजपक्षे से चाहेगा कि वह चीन को श्रीलंका में सैन्य गतिविधियां चलाने की अनुमति न दें।

श्रीलंका में भारत फिर फेल, चीन की शह पर चलेंगे राजपक्षेः उधर, विदेशी मामलों के जानकार डॉक्ष्टर रहीस सिंह कहते हैं, राजपक्षे अपने पिछले कार्यकाल में चीन समर्थक रहे हैं। उन्ह्होंने श्रीलंका को चीन के उपनध्विेश के रूप में बदल दिया था। राजपक्षे के विचार और नीतियों में कोई बदलाव नहीं आया है। वह आगे भी इसे जारी रखना चाहेंगे। हमें अभी चीन को भी देखना होगा। चीन हम पर लगातार हमले कर रहे है। एक तरफ लद्दाख में वह जमीन कब्ज्जा करना चाहता है, वहीं ड्रैगन भारत के पड़ोसी देशों नेपाल, बांग्लादेश को अपनी तरफ मिला रहा है।

इजरायल ने नई कोरोना वायरस वैक्सीन बनाने का किया दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
तेल अवीव। इजरायल ने गुरुवार को दावा किया कि उसने कोरोना वायरस के खिलाफ एक जादुई असर करने वाली वैक्सीन को बना लिया है। इजरायल ने कहा कि अभी उसे इंसानों पर परीक्षण के लिए सरकारी अनुमति लेनी होगी। इस वैक्सीन का शरदकालीन छुट्टियों के बाद परीक्षण शुरू कर दिया जाएगा। इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गांट्ज ने इजरायल इंस्टीट्यूट ऑफ बॉयोलॉजिकल रिसर्च का दौरा कर इस वैक्सीन के बारे में जानकारी ली है।

इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रफेसर शैमुअल शपिरा ने उन्हें इस नई इजरायली वैक्सीन के बारे में उन्हें जानकारी दी। इजरायल के रक्षा और प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी करके कहा कि एक बेहद शानदार वैक्सीन बन गई है और इसके इंसानों पर ट्रायल के लिए प्रक्रिया जारी है। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ने कहा कि हम शरदकालीन छुट्टियों के बाद इस वैक्सीन का इंसानों पर ट्रायल शुरू करेंगे। हालांकि यह वैक्सीन अब बनकर हमारे हाथ में आ गई है।

शपीरा ने कहा कि उन्हें अपनी वैक्सीन पर गर्व है। इस बयान में यह नहीं बताया गया है कि कब तक वैक्सीन का इस्तेमाल हो सकेगा। इंस्टीट्यूट ने कोरोना वायरस के एंटीबॉडी को तैयार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

लेबनान में हुए विस्फोट के मामले में 16 लोग हिरासत में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने कहा है कि बेरूत विस्फोट के मामले में बेरूत के बंदरगाह के 16 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। 'नेशनल न्यूज एजेंसी' ने सैन्य अदालत के न्यायाधीश के गवर्नमेंट कमिश्नर फदी अकीकी के हवाले से बृहस्पतिवार को कहा कि अभी तक 18 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। ये सभी बंदरगाह और सीमा शुल्क अधिकारी और कर्मचारी हैं। अकीकी ने कहा कि मंगलवार को विस्फोट के तुरंत बाद जांच शुरू कर दी गई थी और सभी संदिग्धों से पूछताछ की जाएगी। विदेश मंत्रालय ने इस बात की सूचना दी है कि लेबनान में हुए धमाके में 5 भारतीयों को भी मामूली चोट लगी है।

दुनिया में आतंकवाद का नंबर एक प्रायोजक ईरानः अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संयुक्त राष्ट्र। खाड़ी देशों में चल रहे तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत कैली क्राफ्ट ने ईरान को 'दुनिया में आतंकवाद का नंबर एक प्रायोजक' बताया। कैली ने रूस और चीन को आगाह किया कि अगर वे ईरान पर संयुक्त राष्ट्र हथियार प्रतिबंध लगाने वाले प्रस्ताव को बाधित करेंगे तो वे भी आतंकवाद के 'सह–प्रायोजक' बन जाएंगे।

राजदूत कैली क्राफ्ट ने गुरुवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उम्मीद है कि रूस और चीन 'आतंकवाद के नंबर एक प्रायोजक देश के सह–प्रायोजक नहीं बनेंगे' और पश्चिम एशिया में शांति की महत्ता को पहचानेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि ईरान का समर्थन करने पर रूस और चीन के बीच भागीदारी बहुत स्पष्ट है। उन्होंने कहा, 'वे अपनी सीमाओं के बाहर केवल अराजकता, संघर्ष और अफरातफरी को बढ़ावा देने वाले हैं इसलिए हमें उन्हें अलग–थलग करना होगा।'

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने बुधवार को एलान किया था कि उनका देश ईरान पर अनिश्चितकाल के लिए हथियार प्रतिबंध लगाने वाले प्रस्ताव पर अगले हफ्ते मतदान कराने की सुरक्षा परिषद से अपील करेगा। ईरान पर हथियार प्रतिबंध की अवधि 18 अक्टूबर को समाप्त हो रही है। ईरान में अमेरिका के शीर्ष राजदूत ने इस घोषणा के कुछ घंटों बाद पद से इस्तीफा दे दिया।

रूस और चीन के विदेश मंत्रियों ने गत महीने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और सुरक्षा परिषद को अलग–अलग पत्र लिखकर अमेरिका की कोशिश की आलोचना की। उन्ह्होंने संकेत दिया कि अगर इस प्रस्ताव को 15 सदस्यीय परिषद में न्यूनतम नौ मत मिलते हैं तो वे इस पर वीटो कर देंगे।

किम ने उत्तर कोरिया के बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के दक्षिण हिस्सों का दौरा किया जहां कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से कई मकान और कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सियोल के एकीकरण मंत्रालय के अनुसार किम के लिए किसी बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा करना यह दुर्लभ मौका था। आखिरी बार सरकारी मीडिया ने सितंबर 2015 में ऐसे दौरे की जानकारी दी थी जब किम ने बाढ़ग्रस्त उत्तरपूर्वी शहर में मरम्मत के काम का जायजा लिया था। किम के ताजा दौरे को ऐसे नेता की छवि मजबूत करने के तौर पर देखा जा सकता है जो जनता की परवाह करता है वो भी ऐसे वक्त में जब कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था जर्जर हालत में है। बाढ़ से उत्तर कोरिया का आर्थिक संकट और बढ़ेगा। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि किम ने उत्तर ह्वांगहेइ प्रांत में एक शहर का दौरा किया जहां भारी बारिश के कारण बांध टूट गया।